नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड

एनसीएल/प्रे.वि./2017-18/ दिनांक - 30.10.17

प्रेस विज्ञप्ति

नैतिक मूल्यों का पूरा ख्याल रखें लोक सेवक: श्री कृष्ण मोहन

सतर्कता दौड़, सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा सहित विविध कार्यक्रमों के साथ एनसीएल में सतर्कता जागरूकता सप्ताह का शुभारंभ

भ्रष्टाचार का सीधा संबंध नैतिक मूल्यों से है, लिहाजा लोक सेवकों से यह अपेक्षा रखी जाती है कि वे अपनी कार्य दक्षता के साथ-साथ नैतिक मूल्यों का भी पूरा ध्यान रखें, तभी गुड गवर्नेंस हासिल किया जा सकता है। ये बातें हरियाणा के भूतपूर्व अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री कृष्ण मोहन ने सोमवार को कहीं। श्री कृष्ण मोहन नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एनसीएल) मुख्यालय में सतर्कता जागरूकता सप्ताह के शुभारंभ कार्यक्रम को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। केंद्रीय उत्खनन प्रशिक्षण संस्थान (सी.ई.टी.आई) में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री मोहन ने कहा कि नागरिक क्रेंद्रित प्रशासन के लिए यह बेहद आवश्यक है कि लोक सेवक पूरी तरह नैतिक हों, क्योंकि ऐसा नहीं होने से शासन में लोगों का भरोसा कम होगा और समाज में अव्यवस्था उत्पन्न होगी। लोक सेवकों में निर्णय लेने की क्षमता होने पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि निर्णय लेते समय निर्णय के कानूनी पहलुओं सहित यह ध्यान रखा जाना बेहद जरूरी है कि निर्णय संबंधित सभी हितग्राहियों में से किसी के प्रति पक्षपातपूर्ण न हो तथा निर्णय के सार्वजनिक होने पर निर्णय़ लेने वाले व्यक्ति को शर्मिंदगी महसूस न हो। उन्होंने लोक सेवकों से अपील की कि वे 'सत्य परेशान हो सकता है, पराजित नहीं' की अवधारणा पर पर कार्य करें।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एनसीएल की निदेशक (कार्मिक) सुश्री शांतिलता साहू ने प्रिवेंटिव विजिलेंस यानी निवारक सतर्कता पर जोर देते हुए कहा कि भ्रष्टाचार के खात्मे के लिए 'करना चाहिए' की जगह 'करना है' का भाव लाना होगा। उन्होंने छोटे-छोटे प्रयासों और सूचना प्रोद्योगिकी (आईटी) के कार्यकारी उपयोग से भ्रष्टाचार पर काबू पाने की बात कही।

निदेशक (तकनीकी/संचालन) श्री गुणाधर पांडेय ने अपने संबोधन में कहा कि फाइलों में वित्त विभाग की टिप्पणियों को बारीकी से देखना चाहिए तथा किसी कार्य का एस्टिमेट बनाते

वक्त विशेष रूप से सतर्क रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि जांच में इस बात का विशेष ख्याल रखा जाना चाहिए कि किसी ईमानदार अधिकारी पर कार्रवाई न हो, क्योंकि ऐसा होने से उस अधिकारी के साथ-साथ अन्य अधिकारियों की कार्य क्षमता पर बुरा असर पड़ता है, जिससे आखिरकार संस्थान की दक्षता प्रभावित होती है।

निदेशक (वित्त) श्री पी.एस.आर.के. शास्त्री ने कहा कि जांच कभी भी पूर्वाग्रह से ग्रस्त होकर नहीं की जानी चाहिए। यदि निर्णय किसी विशेष परिस्थिति में लिया गया है तो उसका जिक्र भी स्पष्ट रूप से फाइल में किया जाना चाहिए।

निदेशक (तकनीकी/परियोजना एवं योजना) श्री जे.एल. सिंह ने कहा कि भ्रष्टाचार या अनियिमितता के ज्यादातर मामले नियमों की जानकारी की कमी या जल्दबाजी में लिए गए निर्णय की वजह से सामने आते हैं। लिहाजा इन चीजों का ध्यान रखा जाना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि गलत कार्य करने वालों के लिए सीडीए में दिए प्रावधानों के तहत दंड की व्यवस्था है, उसी तरह अच्छा कार्य करने वालों को पुरस्कृत किए जाने की व्यवस्था भी सीडीए में होनी चाहिए।

कार्यक्रम में महाप्रबंधक (सतर्कता) श्री टी.वी. गंगाधर ने अतिथियों का स्वागत किया तथा मुख्य प्रबंधक (सतर्कता) श्री एम.एम. पाठक ने मंच संचालन तथा धन्यवाद ज्ञापन किया।

इससे पूर्व एनसीएल मुख्यालय प्रांगण में निदेशक (तकनीकी/संचालन) श्री गुणाधर पांडेय ने अधिकारियों-कर्मचारियों को सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा दिलाई तथा कार्यक्रम में राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति तथा केंद्रीय सतर्कता आयोग के सतर्कता संदेशों का वाचन किया गया। इससे पूर्व महाप्रबंधक (सतर्कता) श्री टी.वी. गंगाधर ने स्कूली बच्चों की सतर्कता दौड़ को झंडी दिखाकर रवाना किया।

एनसीएल के सभी कोयला क्षेत्रों एवं इकाइयों में भी सतर्कता जागरूकता सप्ताह का शुभारंभ सतर्कता दौड़, सत्यनिष्टा प्रतिज्ञा सहित कई गतिविधियों के साथ हुआ।

गौरतलब है कि एनसीएल में 04 नवंबर 2017 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया जाएगा। सप्ताह के दौरान एनसीएल के मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री ए.के. श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में सतर्कता विभाग की टीम द्वारा आयोजित किए जाने वाले विभिन्न कार्यक्रमों में कंपनी के अधिकारियों-कर्मचारियों सहित बड़ी संख्या में हितग्राही (stakeholders) हिस्सा लेंगे। एनसीएल मुख्यालय स्थित केन्द्रीय उत्खनन प्रशिक्षण संस्थान (सी.ई.टी.आई.) में 30

अक्टूबर से 04 नवंबर तक कई विषयों पर विशेषज्ञ कंपनी के अधिकारियों कर्मचारियों को व्याख्यान देंगे। कंपनी मुख्यालय में 01 नवंबर को सुबह 11 बजे से वेंटर्स मीट का आयोजन भी किया जाएगा। जेम (गवर्नमेंट ई-मार्केटिंग) पोर्टल के विषय में व्यापक जानकारी दिए जाने के उद्देश्य से 02 नवंबर को सुबह 10 बजे से सी.ई.टी.आई. में वर्कशॉप का आयोजन भी किया जाएगा। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य कंपनी के अधिकारियों-कर्मचारियों को कार्य के प्रति सजग एवं सतर्क बनाने हेतु प्रेरित करना होगा। सप्ताह के दौरान सतर्कता पत्रिका 'दर्पण' का विमोचन भी किया जाएगा। एनसीएल की विभिन्न परियोजनाओं में भी सतर्कता जागरूकता सप्ताह के दौरान कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) के निर्देशानुसार इस वर्ष सतर्कता जागरूकता सप्ताह की थीम "मेरा लक्ष्य - भ्रष्टाचार मुक्त भारत" रखी गई है।

(जनसम्पर्क अधिकारी)